जहर मुक्त कृषि ... कर्ज मुक्त किसान

देश भर की यात्रा के दौरान हमने कई किसानों से मुलाकात की. उनके साथ हुई व्यावसायिक चर्चा के माध्यम से हमने एक बात सबके मुंह से सुनी जो सर्वसामान्य थीं. लगभग सभी किसान प्राकृतिक और जैविक कृषि अपनाना चाहते हैं. बेहतर मिट्टी उर्वरता और मिट्टी सुधार हेतु प्राकृतिक उर्वरक के रूप में सभी सालाना एक बार अपनी कृषि भूमि में गोबर डालते हैं या डालना चाहते हैं. ये इसलिए है क्योंकि उन्हें कई कृषि विशेषज्ञों द्वारा ऐसा करने के लिए बताया गया हैं. उन्हें यह भी बताया गया की पुराना गोबर उचित एवं लाभकारी होता है.

गोबर (जो कि अधिकांशतः अप्रसंस्कृत होता है) के बारे में किसानों की धारणा हैं की इसके प्रयोग से ...

- मिट्टी के अनुकूल जीवाणुओं की संख्या में वृद्धि करता हैं,
- मिट्टी को मुलायम तथा भरभरी बनाता हैं तथा मिट्टी की संरचना बेहतर बनाने में मदद करता हैं.
- मिट्टी को उपजाऊ बनाता हैं तथा पौधों को बहुत अच्छी वृद्धि प्रदान करता है.
- फसल के उत्पादन को बढ़ता है.

वास्तविकता पूरी तरह से अलग है ... इस तरह के अप्रसंस्कृत गोबर में सामान्यतः भारी मात्रा में पौधों की जड़ों के लिए हानिकारक मिट्टी शत्रु कीट पैदा होती रहती हैं जो विभिन्न प्रकार की फफूंद, खरपतवार, कृमि और दीमक इत्यादि की जननी होती है. इसका मतलब यह है कि ऐसे अप्रसंस्कृत गोबर का उपयोग करके लाभकारी परिणाम या बेहतर उपजाऊ मिट्टी पाने के बजाय किसानों को हानिकारक शत्रु कीटयुक्त मिट्टी प्राप्त होगी. ऊपर से इनके उपचार के पीछे खर्च भी बढ़ता हैं. इतना ही नहीं, इससे पौधों की बेहतर वृद्धि या अधिक फसल उत्पादन पाने का किसान का उद्देश्य भी पूरा नहीं होता.

विशेष ... यदि किसान बेहतर मिट्टी संरचना के लिए गोबर का उपयोग करना चाहते हैं तो वह केवल देशी गायों का ही होना चाहिए क्योंकि बेहतर मिट्टी संरचना के लिए केवल देशी गाय का गोबर ही प्रभावी और सर्वोत्तम पाया गया है. भैंस या अन्य नस्ल की गाय का गोबर देशी गाय के गोबर जितना गुणकारी या असरदार नहीं होता. इसके अलावा, अधिकांश किसान अप्रसंस्कृत गोबर का उपयोग कर रहे हैं, वे मिट्टी में डालने से पहले न तो इसे अच्छे तरीके से तैयार करते हैं और न ही इसमें किसी प्रकार के पोषक तत्व या जड़ रक्षक पदार्थ मिलाते हैं जो बिलकुल भी सही नहीं है. गोबर, चाहे वह देशी गायों का ही क्यों न हो, उसको गुणवत्तायुक्त जैविक अपघटक से प्रसंस्कृत किया जाना चाहिए तथा इसका उपयोग करने से पहले इस में मिट्टी संरचना और पौधों की वृद्धि उन्मुखी लाभकारी और प्रभावी पोषक तत्वों के साथ योग्य जड़ सुरक्षा सामग्री भी मिश्रित की जानी चाहिए. केवल इस प्रकार के मिश्रण युक्त प्रसंस्कृत गोबर आधारित उत्पाद से ही किसानों को फलदायी एवं वांछित परिणाम मिलेंगे.

निष्कर्ष ... आमतौर पर किसान प्रति एकड़ ज़मीन कम से कम तीन से चार ट्रॉली गोबर का उपयोग करते हैं जिसे उन्हें किसी गौशाला या पशुपालकों से खरीदना पड़ता है, क्योंकि आजकल पहले की तरह अधिकांश किसान पशुपालन के पेशे से जुड़े नहीं हैं. किसानों को एक ट्रॉली गोबर पर 3,000 से 4,000 रुपए खर्च करने पड़ रहे हैं जिसमें गोबर की लागत, गोबर की लदाई और उतराई, परिवहन और खेत में गोबर फैलाने के लिए श्रम लागत शामिल है. इसका मतलब है कि किसान गोबर आधारित उर्वरक के लिए औसतन 12,000 रुपये प्रति एकड़ खर्च करते हैं. केवल गाय के गोबर के लिए किसान इतनी राशि खर्च करते हैं, वह भी तब जब यह निश्चित नहीं है कि उन्हें वांछित परिणाम मिलेगा या नहीं. तथ्य यह भी है कि जब भी उन्हें जरूरत होती है, उन्हें पर्याप्त या वांछित मात्रा में गोबर नहीं मिलता. इसके अलावा मिट्टी की बेहतर गुणवत्ता हेतु वे अन्य कृषि पदार्थ जैसे माइकोराइज़ा, पोटेशियम ह्यूमेट, सीवीड, फुल्विक, ट्राइकोडर्मा, डीएपी, यूरिया इत्यादि के लिए भी अतिरिक्त धन खर्च करते हैं. कुल मिलाकर किसान गोबर, प्राकृतिक तथा जैविक कृषि उत्पाद एवं डीएपी जैसे उर्वरक के पीछे प्रति एकड़ कृषि भूमि औसतन 15,000 से 20,000 रुपए खर्च करते है ... जो बहुत अधिक है.

इस दिशा में निर्णायक सोच ... यह बात तो स्पष्ट है कि कृषि क्षेत्र मानव जीवन का अद्वितीय एवं सर्वाधिक महत्वपूर्ण आधार है तथा सर्वोत्तम मिट्टी संरचना ही कृषि का आधार है, इसलिए हमें मिट्टी संरचना पर अधिक से अधिक ध्यान देना चाहिए. हम "अखिल भारतीय गौ कृषि समन्वय समिति, खुंटपला" के प्रतिनिधियों ने इस मुद्दे को सर्वोपरीता से संज्ञान में लेके इसके लिए श्रेष्ठ समाधान लाने का द्रढ़ निर्णय किया है, क्योंकि देशी गायों के प्रसंस्कृत गोबर के आधार पर विकसित बेहतर कृषि उत्पाद के बग़ैर मिट्टी की कारगर संरचना संभव ही नहीं. इसके साथ ही किसानों की प्रति एकड़ लागत को कम करना भी हमारी जिम्मेदारी और उद्देश्य है.

इस दिशा में महत्वपूर्ण पहल ... कृषि में मिट्टी संरचना के महत्वपूर्ण योगदान को ध्यान में रखते हुए हम "अखिल भारतीय गौ कृषि समन्वय समिति, खुंटपला" के प्रतिनिधियों ने बेहतर मिट्टी संरचना के लिए सक्षम प्राकृतिक एवं जैविक कृषि उत्पाद विकसित किए हैं. हमारे द्वारा विकसित प्राकृतिक एवं जैविक कृषि उत्पाद निश्चित रूप से किसानों के निवेश को कम करेंगे और साथ ही फसल उत्पादन को बढ़ाएंगे ... यह हम जिम्मेदारी से कहते हैं.

सारांश ... जहां किसान मिट्टी संरचना हेतु साधारण और अप्रसंस्कृत गोबर एवं अन्य कृषि उत्पाद के पीछे प्रति एकड़ कृषि भूमि **औसतन 15,000 से 20,000 रुपये का खर्च करते है**, "अखिल भारतीय गौ कृषि समन्वय समिति, खुंटपला" द्वारा विकसित **"प्राकृतिक एवं जैविक कृषि उत्पाद संपुट"** किसानों को प्रति एकड़ कृषि भूमि **केवल 7,500 रुपये की लागत** से ही सर्वश्रेष्ठ परिणाम प्रदान करेगा. वह भी, अन्य कई महत्वपूर्ण लाभों के साथ. **तात्पर्य : "निवेश में आधा ... लाभ में ज्यादा"**.

महत्वपूर्ण घोषणा ... रचनात्मक संगठन हमेशा शक्तिशाली और लाभार्थी होता है. हम "अखिल भारतीय गौ कृषि समन्वय समिति, खुंटपला" के प्रतिनिधि भी अर्थपूर्ण कृषिकर्म हेतु एक उत्कृष्ट एवं फलदायी किसान संगठन स्थापित करने जा रहे हैं.

आत्मा
THE SOUL OF SOIL

"आत्मा" ... सूक्ष्म जीव विज्ञान के आधार पर एज़ोबैक्टर, एजोस्पिरिलियम, यीस्ट, ग्लूकोनोबैक्टर, फॉस्फेट मोबिलाइज़िंग, पोटाश सॉल्यूबिलाइजिंग, जिंक सॉल्यूबिलाइजिंग, एक्टिनोमाइसिट, फोटोसिंथेटिक, ट्राइकोडर्मा, स्यूडोमोनास, एस्परगिलस, राइजोबियम, लैक्टोबेसिलस, हर्बास्पिरिलियम इत्यादि मिट्टी मित्र जीवाणुओं से निर्मित प्रभावी और कुशल उत्पाद है जो मिट्टी की संरचना का समर्थन करता है एवं मिट्टी के अन्दर मिट्टी मित्र जीवाणुओं की संख्या को बढ़ाता है तथा उन्हें गतिशील रखकर मिट्टी को मुलायम, भरभरी, सक्रिय और उर्वर बनाता है. इसके अलावा **"आत्मा"** में उपलब्ध मिट्टी-मित्र जीवाणु पौधों की जड़ों के लिए हानिकारक विभिन्न प्रकार के फफूंद के नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. **"आत्मा"** का एक एकड़ भूमि में सुझावात्मक मात्रा के अनुसार प्रयोग वर्ष में केवल एक ही बार पर्याप्त है

"सारथी" : (CROM ... CULTURE RICH ORGANIC MANURE) ... मिट्टी मित्र जीवाणु, प्राकृतिक एवं जैविक पदार्थों तथा खनिज एवं देशी गायों के प्रसंस्कृत गोबर के अद्भुत संयोजन से निर्मित सक्षम उत्पाद है जो बेहतर मिट्टी संरचना, बेहतर पीएच और ईसी नियंत्रण, बेहतर बीज अंकुरण, अधिक से अधिक सूक्ष्म जड़ों की उत्पत्ति, पौधों की जड़ों का पोषण, मिट्टी जनित रोगों और कीटों से पौधों की जड़ों की सुरक्षा, पौधों की जड़ों को मिट्टी के भीतर पहले से उपलब्ध विभिन्न प्रकार के महत्वपूर्ण पोषक तत्व लभ्य कराना, पौधे की बेहतर वृद्धि, पौधों के अंगों का सशक्तिकरण, रासायन आधारित उर्वरकों की आवश्यकता और लागत में कटौती, फसल उत्पादन और आय में वृद्धि इत्यादि कई आवश्यक एवं अपेक्षित लाभकारी कार्य करेगा.

अभिमन्यु
THE SOLDIER

"अभिमन्यु" ... बायो एनपीके, एंजाइम, ट्राइकोडर्मा, घुलनशील और गतिशील बैक्टीरिया, वैम, अमीनो, ह्युमिक, जैविक कार्बन आदि प्राकृतिक कृषि सामग्री के अद्भुत संयोजन से बनाया गया उत्पाद संपुट है, जो बेहतर मिट्टी संरचना, मिट्टी सुधार, बीजों का बेहतर अंकुरण, जड़ों का बेहतर स्वास्थ्य, पौधों की जड़ों को मिट्टी के भीतर पहले से उपलब्ध विभिन्न प्रकार के महत्वपूर्ण पोषक तत्व लभ्य कराना, अंकुरित पौधों की संख्या में वृद्धि करना, पौधे की बेहतर वृद्धि, पौधों के अंगों का सशक्तिकरण, रासायन आधारित उर्वरकों की आवश्यकता और लागत में कटौती, फसल उत्पादन और आय में वृद्धि इत्यादि कई आवश्यक एवं अपेक्षित लाभकारी कार्य करेगा

प्रहरी
THE RAKSHAK

"प्रहरी" ... ट्राइकोडर्मा, पेसिलोमाइसेस, मेटारहीज़ियम, वीबीएम आदि प्राकृतिक कृषि सामग्री के अद्भुत संयोजन से बनाया गया उत्पाद संपुट है, जो जड़ों के लिए हानिकारक विभिन्न प्रकार के फफूंद के समान मिट्टी जनित रोगों और दीमक, निमेटोड और सफ़ेद कीड़ा के समान हानिकारक कीटों से पौधों की जड़ों एवं अंगों की सुरक्षा, पौधे की बेहतर वृद्धि, मिट्टी जनित रोग नियंत्रण पर अनावश्यक लागत में कमी इत्यादि कई आवश्यक एवं अपेक्षित लाभकारी कार्य करेगा

सदस्यों को मिलने योग्य लाभों की सूची ...

- निःशुल्क मिट्टी परीक्षण एवं मिट्टी सुधार उन्मुख प्रशिक्षण और परामर्श
- प्रति एकड़ बेहतर मिट्टी संरचना एवं पौधे की वृद्धि के लिए प्राकृतिक और जैविक उत्पाद आवंटन
- मिट्टी परीक्षण पर आधारित एवं पारंपरिक फसलों उन्मुख निःशुल्क यथोचित अभ्यासक्रम
- किसान हितैषी रचनात्मक संगठन की सदस्यता
- अपिल समूह के "ई माध्यम" की सदस्यता
- उचित मूल्य पर प्राकृतिक / जैविक उत्पाद एवं कृषि से संबंधित आवश्यक सामग्री और संसाधन की उपलब्धता
- प्राकृतिक और जैविक प्रसंस्करण और उत्पाद विकास उन्मुखी निःशुल्क व्यावसायिक प्रशिक्षण

अनुरोध ...

कृपया आप सभी किसान भाई हमारी किसान लाभार्थी सदस्यता में अपना पंजीकरण कराएं और हमारे "प्राकृतिक और जैविक कृषि उन्मुख संगठन" का हिस्सा बनकर हमारे "जहर मुक्त कृषि ... कर्ज मुक्त किसान: अभियान" को अपना समर्थन दें. "देशी गायों के संवर्धन एवं शुद्ध, प्राकृतिक और जैविक कृषि" के माध्यम से अपने परिवार, राष्ट्र, प्रकृति एवं वायुमंडल के हित में अपने नैतिक कर्तव्यों का पालन करें.

"अखिल भारतीय गौ कृषि समन्वय समिति, खुंटपला"

हम साफ़ बात करतें है ...

788 0101 788 / 7224 95 7224
appeal.ecology@gmail.com
www.appeal-group.com

आप हमें मिलते रहें ...

"अखिल भारतीय गौ कृषि समन्वय समिति, खुंटपला"
श्री गोपाल कृष्ण गौ शाला;
गाँव - खुंटपला;
उपविभाग - सरदारपुर;
विभाग - धार;
मध्य प्रदेश - 454001

प्रयोजक ...

कृषि वानिकी, कृषि पारिस्थितिकी एवं मानव विज्ञान के अनुयायी ...
एशिया पैसिफिक प्रोग्रेसिव इकोलॉजिकल एक्टिविटीज लिमिटेड

"मानक सदस्यता" शुल्क ... केवल रु. 5,250 प्रति एकड़ भूमि
("आत्मा" एवं "सारथी" इस प्रकार दो उत्पादों का आवंटन)
पेशगी प्रति एकड़ ... रु. 3,000
शेष राशि ... उत्पादों के आवंटन पर

"अधिमूल्य सदस्यता" शुल्क ... केवल रु. 7,500 प्रति एकड़ भूमि
("आत्मा", "सारथी", "अभिमन्यु" एवं "प्रहरी" इस प्रकार चार उत्पादों का आवंटन)
पेशगी प्रति एकड़ ... रु. 4,000
शेष राशि ... उत्पादों के आवंटन पर

QR CODE : For Registration

QR CODE : For Application